क्षमता में वृद्धि करने का विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) (क) से (ग) सौर ताप अथवा सौर प्रकाशवोल्टाय माध्यमों से विद्युत उत्पादन के लिए सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सकता है। गुजरात के कच्छ क्षेत्र में गुना के निकट 30 मेवा की सौर ताप विद्युत परियोजना की स्थापना के लिए गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी (जी ईडीए) से एक प्रारंभिक प्रस्ताव प्राप्त हुआ। सौर ताप के माध्यम से विद्युत का उत्पादन करना एक नई प्रौद्योगिकी है जो कि स्थल विशिष्ट, अधिक पूंजी निवेश वाली प्रौद्योगिकी है और यह अन्य अनेक तकनीकी आर्थिक घटकों पर निर्भर करती है। गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी के अनुरोध के बारे में अन्य प्रस्तावों के साथ जांच की गई और इसे प्रथम अनुसंधान एवं विकास परियोजना के लिए उपयुक्त नहीं पाया गया। तथापि, घरेलू रोशनियों, सड़क रोशनियों, सामुदायिक टेलीविजन, जल परपन, लघु ग्राम स्तर के विद्युत संयंत्रों आदि जैसे विकेन्द्रीकृत अनुप्रयोगों के लिए सौर प्रकाश-वोल्टीय प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने वाली परियोजनाओं को गुजरात में राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है

देश में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन

422. **श्री अजीत जोगी** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश एवं अन्य राज्यों को गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन करने हेतु प्रदत्त धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस प्रयोजनार्थ निर्धारित लक्ष्यों और उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) राज्य में गैर-पारंपरिक स्रोतों से विद्युत उत्पादन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान विद्युत उत्पादन परियोजनाओं के लिए विभिन्न राज्यों, जिनमें मध्य प्रदेश शामिल है, को प्रदान की गई वर्ष-वार राशि सभा पटल पर रखे गए विवरण में दी गई है (**नीचे देखिए**)।

(ख) आठवीं योजना के लिए राज्य-वार लक्ष्य निश्चित नहीं किए गए हैं। तथापि, देश में अब तक अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से 325 मे०वा० से अधिक कुल विद्युत उत्पादन क्षमता संस्थापित की गई है।

(ग) अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन के लिए एक नई कार्य नीति और कार्रवाई योजना तैयार की गई है जिसका उद्देश्य व्यापार अधिस्थापन और वाणिज्यिकरण है। मध्य प्रदेश सरकार ने भी अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन के लिए एक आकर्षक संवर्धनात्मक नीति की घोषणा की है। राज्य में पवन ऊर्जा सम्पदाओं की स्थापना के लिए एक संयुक्त क्षेत्र की कम्पनी भी बनाई गई है। इसके अलावा, पवन विद्युत और छोटी पन-बिजली संभाव्यता के मूल्यांकन हेतु सर्वेक्षण तथा अनुकूल स्थलों की पहचान करने का कार्य प्रगति पर है।

विवरण

विद्युत उत्पादन के लिए विभिन्न राज्यों को वर्ष-वार प्रदान की गई राशि

(लाख रूपए)

राज्य	1991–92	1992–93	1993–94
1. आंध्र प्रदेश	525	159	278
2. अरुणाचल प्रदेश	160	58	973
3. असम	—	1	—
4. बिहार	5	—	3
5. गुजरात	197	18	97
6. हरियाणा	—	1	1
7. हिमाचल प्रदेश	2	110	186
8. जम्मु और कश्मीर	—	—	2
9. कर्नाटक	159	174	1
10. केरल	162	2	77
11. मध्य प्रदेश	25	337	246
12. महाराष्ट्र	5	3	26
13. मणिपुर	—	—	5
14. मेघालय	—	—	1
15. मिजोरम	—	—	97
16. नागालैण्ड	—	—	58
17. उड़ीसा	285	22	2
18. पांडिचेरी	—	—	2
19. पंजाब	—	86	6
20. राजस्थान	1	—	3
21. सिक्किम	1	—	53
22. तमिल नाडु	234	777	452
23. उत्तर प्रदेश	21	184	151
24. पश्चिम बंगाल	—	—	3